उ0प्र0 बाल कल्याण परिषद

वार्षिक प्रगति आख्या
2023—24

उ0प्र0 बाल कल्याण परिषद
2. राणा प्रताप मार्ग, मोती महल,लखनऊ

Upccw website:http;//upccw.org.in, Email id upccw1953@gmail.com

उ0प्र0 बाल कल्याण परिषद

द्वारा वर्षानुक्रम
संचालित गतिविधियॉ
सार–संक्षेप

1950–51 भावी पीढ़ी के उत्थान हेतु ''स्टेट कमेटी फार चिल्ड्रेन'' के नाम से समिति का अभ्युदय।

निम्नांकित महानुभाव समिति के संस्थापक सदस्य रहे है:–

1. लेडी जरबाई मोदी, धर्मपत्नी गवर्नर सर सच.पी. मोदी।
2. डा0 (श्रीमती) हेम सनवाल
3. श्री हरगोविन्द मिश्रा
4. श्रीमती जे0 एम0 चार्ल्स
5. डा0 जी0बी0 कबराजी
6. श्रीमती कमला भार्गव
7. श्रीमती प्रेम चौधरी
8. कैप्टन ए0 पी0 बाजपेयी

प्रारम्भिक कार्यकलाप (ग्रामोत्थान)

1951 बच्चों का बाल मेला, जरूरतमंद बच्चों को दूध एवं मध्यान भोजन देना प्रारम्भ किया गया।

1953 समिति '' उत्तर प्रदेश बाल कल्याण परिषद'' के नाम से पंजीकृत हुई तथा भारतीय बाल कल्याण परिषद से उसकी राजकीय शाखा के रूप में सम्बद्ध हुई।

1955–56 मोती नगर, लखनऊ में निराश्रित बच्चों के लिए लीलावती मुंशी निराश्रित बालगृह अध्यक्ष एवं तत्कालीन गवर्नर श्री के. एम. मुंशी की पत्नी द्वारा स्थापना श्रीमती इन्दिरा गांधी द्वारा भवन का शिलान्यास एवं भवन निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया।

1958 सरोजनी नायडू पार्क में बाल पुस्तकालय भवन का निमार्ण काय प्रारम्भ किया
1959 गया।

1960 भारतीय बाल कल्याण परिषद के प्रतिरूप उ0प्र0 बाल कल्याण परिषद के
1961 संविधान का परिमार्जन।

1959–60 परिषद का कार्यकाल "मोती महल" में स्थापित किया गया।

1960–61 नैनीताल में "बाल ग्रीष्म कालीन शिविर"।

1961–62 नगर पालिका स्कूल नरही में दोपहर का भोजन वितरण।

1962–63 बाल सेविका सेन्टर, लखनऊ में प्रारम्भ।

1965–66 पेपर मिल कालोनी में "चाइल्ड गाइडेन्स क्लीनिक" का प्रारम्भ।

1966–67 जनपदों मे जिला बाल कल्याण समिति की स्थापना।

1967–68 कल्याणकारी गतिविधियों हेतु धनसंग्रह के लिए रैफल का आयोजन।

1968–69 पेपरमिल कालोनी, निशातगंज में बालबाड़ी की स्थापना।

1969 कु0 मंजू गुप्ता को हार्टसर्जरी के लिए इंग्लैण्ड भेज गया।

1969–70 नरही लखनऊ में निर्धन महिलाओं एवं बच्चों के लिए निःशुल्क चिकित्सालय की स्थापना।

1970–71 विभिन्न जनपदों में पुष्टाहार युक्त 79 बालबाड़ियों की स्थापना।

1971–72 सेव द चिल्ड्रेन फण्ड यू0के0 आर्थिक सहयोग से जनपद उन्नाव एवं बाराबंकी के तीन ग्रामों में रूलर फलड प्रोजेक्ट प्रारम्भ किया गया।

1973–74 तेलीबाग, लखनऊ में "बालबाड़ी भवन" का निर्माण, भारतीय बाल कल्याण परिषद से बच्चों की शिक्षा हेतु वित्तीय सहायता का मिलना प्रारम्भ।

1974–75 तत्कालीन राज्यपाल महामहिम श्री अकबर अली खॉ द्वारा हरिद्वार बाल सेविका ट्रेनिग सेंन्टर का उद्धाटन।

1977–78 परिषद की स्थापना के पच्चीस वर्ष होने पर रजत जयन्ती मनायी गयी।
दो दिवसीय सेमिनार '' बाल कल्याण में समस्याऐं'' विषय पर आयोजित।
कामकाजी धात्री महिलाओं के लिए विभिन्न जनपदों में 15 बाल बिहार का प्रारम्भ।

1979 परिषद को उ0प्र0 सरकार द्वारा पुरस्कार की प्राप्ति।

1979–80 लीलावती मुंशी बालगृह, मोतीनगर के परिसर में होम्योपैथिक चिकित्सालय के संचालन हेतु भवन का निर्माण एवं डिस्पेन्सरी की स्थापना।

1981–82 विभिन्न जनपदों में 21 आंगनबाड़ी प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना। राष्ट्रीय पुरस्कार से परिषद का अलंकरण।

1986–87 आंगनबाड़ी प्रशिक्षण केन्द्रों पर सुपरवाइजर एवं अनुदेशिकाओं के लिए यूनीसेफ के आर्थिक सहयोग ' सम्पुष्टिकरण कार्यक्रम' प्रारम्भ। नार्वे की विकास एवं सहयोग की एजेन्सी '' नाराड'' की वित्तीय सहायता से प्रदेश
में शैक्षिक खिलौना निर्माण कार्यशालाओं का शुभारम्भ।

1987–88 स्वीडिंश राज्य के वित्तीय सहायता से लोलावती मुंशी निराश्रित बालगृह, मोतीनगर परिसर में ''एडाप्सन सेन्टर'' की स्थापना।

1990–91 प्रदेश के तीन जनपदों क्रमशः अलीगढ़,मुरादाबाद, फिरोजाबाद में ''बाल श्रमिक परियोजना'' की स्थापना।

1992—93 उत्तरी भारत में भयंकर भूचाल से ग्रस्त लोगों की सहायता हेतु धनराशि इकट्ठा की गयी एवं उत्तरकाशी के पीड़ितों को बड़ी मात्रा में सामग्री का वितरण किया गया। समिति के कल्याणकारी योजनाओं के संचालन हेतु'' जगजीत सिंह म्यूजिकल नाईट'' आयोजित करके धन एकत्रित किया गया। आई0टी0 सी0 के आर्थिक सहयोग से कानपुर रोड पर दरोगा खेड़ा, लखनऊ में '' परिवार कल्याण केन्द्र'' स्थापित किया गया।

1993—94 प्रदेश में बाल कल्याण एवं विकास के चार दशक का इतिहास विषय में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन।

" स्ट्रीट चिल्ड्रेन परियोजना" की स्थापना।

राधारमण मेमोरियल एवार्ड से परिषद का सम्मान।

1994—95 यूनीसेफ के आर्थिक सहयोग से एक दिवसीय सेमिनार "बाल अधिकार क्षमताऐं एवं सम्भावनाऐं का आयोजन।

1995—96 बालबाड़ी, बाल बिहार व पूर्व प्राथमिक शिक्षा केन्द्रों की शिक्षिकाओं का प्रशिक्षण। उ0प्र0 के दो मण्डलो (मेरठ ओर फैजाबाद) के समस्त जनपदों में से एक एक विकास खण्ड के समेकित बाल विकास परियोजना में शालापूर्व शिक्षा के कार्यकर्ताओं एवं सहभागियो का प्रशिक्षण।

लीलावती मुंशी निराश्रित बालगृह की दो संवासिनियों का विवाह सम्पन्न किया गया।

बाल भवन का निर्माण प्रथम चरण कार्य पूर्ण।

1996—97 बाल दिवस के अवसर पर आकर्षक रंगारंग कार्यक्रम, विभिन्न प्रतियोगिताऐं एवं बाल रैली का आयोजन।

लखनऊ जनपद की तीन विकास खण्डों के ग्रामों में स्वचलित ड्वाकरा उद्योग में कार्यरत महिलाओं के बच्चों की देखभाल हेतु10 क्रेश की स्थापना एवं जन जागरण, साक्षरता प्रशिक्षण।

कानपुर रोड पर 5 एकड़ वन भूमि पर बाल भवन का निर्माण कार्य।

लीलावती मुंशी निराश्रित बालगृह की एक संवासिनी का विवाहोत्सव सम्पन्न।

1997—98 बाल दिवस समारोह

दिनांक 18.11.97 बाल रैली।

स्वतंत्रता की 50वीं वर्ष गांठ पर दिनांक 26.11.97 को "बच्चों के मध्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानी" कार्यक्रम का वृहद स्तर पर आयोजन।

अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों की स्थापना

1998—99 केन्द्रीय सलाहकार बोर्ड द्वारा 14 क्रेश की स्वीकृति।

पर्यावरण की सुरक्षा एवं देखभाल विषय की सुरक्षा एवं देखभाल विषय पर एक दिवसीय जनजागरण गोष्ठी का आयोजन।

दिनांक 14.11.98 को 8 विकलांग बालक/बालिकाओं को व्हील चेयर का वितरण।

1999–2000 दिनांक 14 नवम्बर 99 को 9 बालक/बालिकाओं को ट्राई–साइकिल,कैलीपर व्हील चेर का विवरण।

2000–01 रैनबसेरा का संचालन एवं चाइल्ड लाइन की स्थापना।

2001–02 स्वशक्ति समूह सदस्यों का टेलीकान्फ्रेंसिग के माध्यम से प्रशिक्षण।

2002–03 बाल विवाह रोको अभियान।

2003–04 दिनांक 12 अक्टूबर, 2003 को ''राष्ट्रोय नाट्य अकादमी, नई दिल्ली में "राजकुमार एवं पोलू'' नाटक की प्रस्तुति।

2004–05 12 मई 2004 को बालगृह की संवासिनी कु0 अनीता का विवाहोत्सव।

17 जुलाई 04 '' शहीदों ने लौ जगाई जो'' प्रस्तुति बालगृह की संवासिनी राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह, लखनऊ।

19 मार्च,05 स्ट्रीट बच्चों द्वारा आंचलिक विज्ञान केन्द्र का भ्रमण।

2005–06 जिला बाल कल्याण परिषद, मुरादाबाद द्वारा 30 क्रेश केन्द्रों का दिनांक 01.02. 06 से मुरादाबाद–10, रामपुर–10 तथा बरेली–10 में शुभारम्भ।

30 मई,2005 को ''एच0आई0वी0'' अभिमुखीकरण कार्यक्रम द्वारा ''एहसास'' संस्था।

31 जनवरी 2006,''परवाज'' सांस्कृतिक कार्यक्रम।

17–18 फरवरी, 2006 ''बाल ज्ञान गोष्ठी'' द्वारा आयोजित केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड, भारत सरकार।

2006–2007 14 नवम्बर,07 "एडाप्सन जागरूकता समारोह" बालभवन लखनऊ।

20–30 जनवरी,07 "राजीव गांधी राष्ट्रीय क्रेश योजना के अन्तर्गत 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम।

23 फरवरी,07 55 क्रेश केन्द्रो का शुभारम्भ।

9 मार्च,07 परिषद के अध्यक्ष महामहिम श्री राज्यपाल द्वारा वीरता पुरस्कृत बच्चों का सम्मान।

2007–08 26 अप्रैल,07 ''शारीरिक मानसिक एवं अध्यात्मिक विकास।'' शिविर द्वारा खुशी फाउण्डेशन।

18 जुलाई, 2008 क्रेश कार्यकत्री प्रशिक्षण कार्यक्रम।

14 नवम्बर,07 'एडाप्सन जागरूकता शिविर' गोमतीनगर, लखनऊ।

2008–09 13 जुलाई, 08 बालगृह की संवासिनी कु0 प्रीति व अन्य बच्चों का संगीत,संजीव प्रसारण समय 1.00 बजे– सहारा समय।

20 नवम्बर, 2008 ''युवा महोत्सव, 2008''।

1 अगस्त 20 नये क्रेश केन्द्रों का संचालन।

2009–10 19 नवम्बर,2009 सांस्कृतिक एवं स्वरोजगार विकास कार्यक्रम द्वार श्री सत्य साई सेवा समिति।

30 नवम्बर,2009 रंगोली व मेंहदी प्रतियोगिता द्वारा सेवा संकल्प।

08 मार्च, 2010 सेमीनार का आयोजन ''बालिका बचाओ''।

2010–11 11 अप्रैल,2010 तीन निराश्रित वयस्क संवासिनियों का विवाहोत्सव18 नवम्बर,2010''बाल विवाह रोको अभियान'' तथा 26 वयस्क निर्धन कन्याओं का विवाहोत्सव।

03 जनवरी, 2011 से ''राष्ट्रीय अन्धता निवारण'' कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद लखनऊ,।

17,जनवरी,2011तक लखनऊ,उन्नाव,हरदोई एवं सीतापुर के कुल652 मरीजों का सफल नेत्र आपरेशन।

2011–12 बाल क्रेश केन्द्रों की स्थापना।
निराश्रित वृद्धा आश्रम की स्थापना।

मार्च, 31 2012 तक जनपद लखनऊ, उन्नाव हरदोई एवं सीतापुर के कुल 375 मरीजों का सफल नेत्र परीक्षण।

2012–13 14 अप्रैल,12 कु0 पूजा का विवाहोत्सव समारोह।

08 जून, 12"दुश्वारियों का चक्रव्यूह तोड़ सपने बुन रही बेटियाँ"सफलता की खुशी परीक्षा परिणाम।

25 जून, 12 "वृद्ध एवं निराश्रित महिला आश्रम" की स्थापना।

8 जुलाई,12 वृक्षारोपड़ बाल भवन, दरागाखेड़ा, लखनऊ।

17 एवं 18 अगस्त,12 नार्थ जोन मीट एवं सेमीनार " बालिका संरक्षण"

10 नवम्बर,12 "राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता, 2012 का आयोजन।

16 जनवरी,12 दिल्ली में दुर्भाग्यपूर्ण नृशंस बलात्कार काण्ड के विरोध में सृजित "मानव श्रंखला"।

16 जनवरी, 13 कु0 शोभा का विवाहोत्सव समारोह।

18 जनवरी, 13 प्रदेश के चार वीर बालकों का "राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार–1 सम्मान।

15 फरवरी, 13 "बाल विवाह रोको" अभियान। 42 निर्धन बालिकाओं का विवाहोत्सव।

18 फरवरी, 13 महामहिम श्री राज्यपाल द्वारा वीर बालकों का सम्मान एवं पुरस्कार।

08 मार्च, 13 "अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस" का आयोजन।

27 मार्च, 13 महामहिम श्री राज्यपाल द्वारा "निराश्रित संवासिनियों को उपहार"।

2013–14 07 मई, 13 से 36वाँ राष्ट्रीय शिविर, 2013

12 मई,2013तक लर्न टू लिव टू गेदर" कैम्प का बालभवन दरोगाखेड़ा में आयोजन।

02 सितम्बर,2013 मा0 अंकित के दिल का आपरेशन (एस0पी0जी0आई0, रायबरेली रोड, लखनऊ)।

28 अक्टूबर, 2013 आपदा पीड़ित केदारनाथ एवं बद्रीनाथ के बच्चों को राहत सामग्री का वितरण।

2014–15 16 जुलाई, 2014 नारी सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम।

07 दिसम्बर, 2014 तीन संवासियों का विवाहोत्सव।

08 मार्च, 2015 संगोष्ठी का आयोजन विषय " महिला एवं बच्चों के प्रति घटित अपराधों की रोकथाम में सामाजिक संस्थाओं, समाजसेविकाओं तथा मीडिया, की भूमिका एवं जागरूकता"

2015–16 11 दिसम्बर 2015 सेनेटरी नैपकिन की निर्माणशाला का शुभारम्भ।

28 जनवरी,2016 नेपाल में आये भीषण भूकम्प त्रासदी हेतु जनमानस की सहायता रू0–22,500/–

08 मार्च, 2016 अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर "महिलाओं और बालिकाओं के प्रति घटित हिसक अपराधो के विरूद्ध जागरूकता" विषयक सेमीनार एवं वीरांगना सम्मान–2016 का आयोजन सन्त गाडगे जी प्रेक्षागृह, गोमतीनगर, लखनऊ।

"अन्धता निवारण कार्यक्रम" कुल 1,240 मरीज।

2016–17 14 जून, 2016 विदेशी (श्रीलंका) निवासी 32 वर्षीय महिला का सकुशल परिवार में पुर्नवासन।

12 नवम्बर, 2016 "हिना" का विवाहोत्सव।

01 दिसम्बर,2016 "बालोदय प्रतिभा सम्मान–16" कु0 काजल कौशल, द्वारा सुल्तानपुरी साहित्य संस्थान, लखनऊ।

08 मार्च, 2017 "अपराधो के रोकथाम हेतु विधायी निकायो में महिलाओं का पर्याप्त प्रतिनिधित्व।

15 मार्च, 2017 "स्वच्छता पखवाड़ा" सहयोग सचिव, उ0प्र0 राज्य समाज कल्याण बोर्ड, लखनऊ।

2017–18 24 मई, 2017 लीलावती मुन्शी निराश्रित बालगृह का वार्षिक उत्सव,17 एवं शोभा भार्गव हाल का उद्घाटन।

20 सितम्बर.2017 महिलाओं और बच्चों में होने वाले सामाजिक अपराध के खिलाफ विरोध शान्ति प्रदर्शन एवं प्रद्युमन की श्रद्धाजलि सभा।

14 नवम्बर,2017 "बाल मेला" बाल भवन, दरोगा खेड़ा।

12 जनवरी,2018 "कौशल विकास एवं जागरूकता कार्यक्रम"।

08 मार्च, 2018 "एक शाम गुड्डी और निर्भया के नाम" काव्य गोष्ठी एवं वीरांगना सम्मान।

2018—19

18 अप्रैल,2018 तीन संवासिनियों का विवाहोत्सव।

24 मई, 2018 लीलावती मुन्शी निराश्रित बालगृह का वार्षिक उत्सव,18 तथा उत्कृट बच्चों का सम्मान।

25 फरवरी,2019 होम्योपैथिक धर्मार्थ चिकित्सालय बाल भवन दरोगाखेड़ा,में शुभारम्भ।

08 मार्च,2019 अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर "वर्तमान परिवेश में महिलाओं की सुरक्षा—आधी आबादी का शोषण कबतक "एवं वीरांगना सम्मान"।

2019—20

24 मई,2019 बालगृह वार्षिक उत्सव—2019 एवं "राज बाबू स्मृति हाल" का लोकार्पण।

25 जुलाई,19 "बाल शोषण" विषय के अन्तर्गत "आओ बात करें" द्वारा डा0 दीप्ति परवरिस संस्था।

29 नवम्बर,19 "कमला भार्गव पुस्तकालय एवं बाचनालय" की स्थापना।

08 मार्च,2020 अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर" महिला सशक्तिकरण" संगोष्ठी एवं वीरांगना सम्मान समारोह।

2020—21

03 जुलाई,2020 मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा कोविड—19 परीक्षण कार्यक्रम।

13 फरवरी,2021 निःशुल्क नेत्र परीक्षण कार्यक्रम, इरा विश्वविद्यालय।

08 मार्च, 2021 अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर "महिला नेतृत्वः कोविड—19" विषयक सगोष्ठी एवं वीरांगना सम्मान समारोह।

2021—22 कोविड—काल प्रभावी

2022—23

24 मई, 2022 बालगृह का वार्षिक उत्सव—22 बच्चो का सम्मान तथा हाल का लोकापर्ण।

14 नवम्बर,2022 बाल दिवस सामारोह एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन।

07 मार्च,2023 मिशन वात्सल्य"पोषण 2.0 के अन्तर्गत स्वास्थ्य परीक्षण एवं औषधियों का वितरण।

2023—24

03 मई,2023 से 05 जून,2023 तक ब्यूटी पार्लर कोर्स का आयोजन।

01 सितम्बर,2023 क्रेश केन्द्रो की स्थापना।

04 सितम्बर,2023 से 14 सितम्बर,2023 तक सर्वाइकल कैन्सर परीक्षण कैम्प का आयोजन।

प्रस्तावना

परिषद बाल कल्याण के क्षेत्र में एक अग्रणी संस्था है। विगत 71 वर्षो से बाल कल्याण से सम्बन्धित कार्यक्रमों के संचालन में बच्चों के उज्जवल भविष्य के निर्माण हेतु अनवरत प्रयास कर रही है। परिषद बच्चों को सही मार्ग दर्शन प्रदान करने तथा स्वस्थ नागरिक बनाने में अपनी सकारात्मक भूमिका निर्वाह कर सके इसका सबल प्रयास करती है। चूँकि बच्चे समाज एवं देश का भविष्य है इसलिए परिषद उन बच्चों की ओर विशेष रूप से अपना ध्यान आकृष्ट करती है जोकि मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित है ऐसे बच्चों की शिक्षा, दीक्षा, पुर्नवास तथा स्वावलम्बी बनाने की दिशा में कार्य करने हेतु कृत संकल्प है। परिषद ऐसे कार्यक्रमों के संचालन में अधिक से अधिक बल देती है जोकि बच्चों के अधिकारों को महत्ता प्रदान करते हैं और बच्चे अधिक से अधिक लाभान्वित हो सके।

बाल कल्याण के क्षेत्र में कार्य करने हेतु सन् 1953 में परिषद का उ0प्र0 बाल कल्याण परिषद के नाम से रजिस्ट्रेशन हुआ। 1950 में यह संस्था स्टेट कमेटी फार चिल्डन के नाम से कार्य कर रही थी। परिषद ने विगत 70 वर्षो का सफर निरन्तर बच्चों से सम्बन्धित कार्यक्रमों के संचालन में निष्ठा एवं लगन से तय किया है जिसमें उसने सफलता तथा सराहना की अनगिनत सीढ़ियां चढ़ी है। समय समय पर प्रोत्साहन भी प्राप्त किया है।

इस क्रम में परिषद द्वारा बाल कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने हेतु भारत सरकार ने 1981 में राष्ट्रीय पुरस्कार से परिषद को गौरवान्वित किया तथा सन 1993 में भारतीय बाल कल्याण परिषद नई दिल्ली द्वारा परिषद को राधारमण एवार्ड से सम्मानित किया। इस प्रकार गैर सरकारी संस्थाओं में परिषद, ने प्रदेश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया।

परिषद अपनी सहयोगी जिला परिषदों तथा सम्बद्ध संस्थाओं के माध्यम से कार्यक्रम का सुचारू रूप से सफलता पूर्वक संचालन कर रही है।

क्रेश केन्द्र (बाल विहार)

परिषद द्वारा भारतीय बाल कल्याण परिषद, नई दिल्ली के वित्तीय सहयोग से 5 क्रेश केन्द्र यथा–जनपद, लखनऊ में 3 तथा जनपद हरदोई मे 2 केन्द्रो का संचालन दिनांक 01 सितम्बर,2023 से किया जा रहा है। यह कार्यक्रम सेवारत, रोगग्रस्त, महिलाओं के बच्चों का शालापूर्व शिक्षा स्वास्थ्य एवं पोष्टिक आहार की निःशुल्क वरूवस्था की जाती है। समय–समय पर चिकित्सक, बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करते रहते हैं।

बाल्य जीवन के 1 वर्ष से 6 वर्ष के बच्चों के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं भाषा का विकास अत्यधिक हो सके ऐसी क्रियाविधियों का सम्पादन किया जाता है। इसके अतिरिक्त सेवाऐं यथा पोलियों ड्राप पिलवाना, माताओं को टीकाकरण की समुचित जानकारी देना, माताओ को बच्चों के प्राथमिक स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारियों से अवगत कराया जाता है। प्रत्येक केन्द्र पर 25 बच्चों का पंजीकरण कर बाल सेविका एवं क्रेश साहायिका के सहयोग से क्रियाविधियों का संचालन किया जाता है। स्थापित क्रेश केन्द्रो की स्थिति निम्नवत् है–

एडाप्शन सेन्टर :–

यह केन्द्र विभिन्न संस्थाओं/एडाप्शन तथा व्यक्तिगत दानदाताओं के आर्थिक सहयोग से दिनांक 16 जुलाई,1987 को लीलावती मुंशी निराश्रित बालगृह परिसर में एडाप्शन सेन्टर नाम से चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य परित्यक्त/निराश्रित बच्चों को आश्रय देकर उनका समुचित पालन पोषण करके उन्हे ऐसे निःसन्तान परिवारों को कानूनी रूप से गोद दिया जाता है, जहॉ उन्हे संवेदात्मक व भावनात्मक सहानुभूति प्राप्त हो सकें एवं उनका शारीरिक, मानसिक, सामाजिक तथा शैक्षिक दृष्टि से सम्पूर्ण विकास हो सकें।

गोद लेने की प्रक्रिया का सबसे प्रमुख मुद्दा है–कानून, जिसमें गोद लेने की प्रक्रिया के प्रत्येक बिन्दु पर काफी बारीकी से विचार–विमर्श कर निर्णय लिया जाता है तदनुसार ऐसे परित्यक्त एवं निराश्रित बच्चों को निःसन्तान दम्पत्ति को कानून के आदेशानुसार गोद दिया जाता है। बच्चों को गोद/संरक्षण देते समय सर्वोच्च न्यायालय तथा सेन्ट्रल एडाप्शन रिसोर्स अथोरिटी द्वारा निर्देशित प्रक्रिया का गम्भीरता से पालन किया जाता है।

वर्तमान समय में गोद देने हेतु किशोर न्याय अधिनियम 2015 प्रचलित है। अभिभावकों को उक्त अधिनियम् के अनुसार ही गोद की कार्यवाही प्रतिपादित की जाती है।

आरम्भिक आवासित बच्चे–		22
(क) वर्ष मं नये प्रवेश	06 बच्चे	
(ख) परिवार में वापसी	01	
दूसरी संस्था मे स्थानान्तरित	03	
(ग) गाद देकर पुनर्वासित (भारतीय एडाप्सन–3, विदेशी 2)	06	
(घ) मृत्यु	02	
(ङ) वर्तमान में आवासित		16 बच्चे

नोटः–(महिला कल्याण निदेशालय के आदेश पत्रांक सी–1475––––दिनांक 04.10.2023 के अनुपालन में दिनांक 04.10.2023 को 16 बच्चे राजकीय शिशुगृह में स्थानान्तरित किये गयें)।

एडाप्शन सेन्टर में एक एडाप्शन आफीसर, अधीक्षिका, एक अंशकालिक नर्स, एक पार्ट टाइम शिक्षिका, 4 आया दिन में तथा 2 आया रात्रि में और 1 सफाई कर्मचारी तथा 1 धोबी, कार्यरत हैं।

बच्चों को केन्द्र के अन्दर शिक्षाप्रद बाल फिल्म एवं वीडियोगेंम की व्यवस्था है। इसके अतिरिक्त बच्चों को चैनल के माध्यम से कवितायें एवं ABCD, गिनती, पहाड़ा इत्यादि भी सिखाये जाते है। केन्द्र में पारिवारिक वातावरण बनाये रखने के प्रयास किये जाते हैं जिससे केन्द्र में रह रहे बच्चों को स्नेह व सुरक्षा का अनुभव होता रहे तथा उनके सर्वागीण विकास में किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न न हो।

लीलावती मुन्शी निराश्रित बालगृह,

लीलावती मुन्शी निराश्रित बालगृह, मोतीनगर, लखनऊ की स्थापना वर्ष 1955–56 में तत्कालीन प्रधानमन्त्री श्रीमतो इन्दिरा गॉधी द्वारा भवन का शिलान्यास कर भवन निर्माण एवं संस्था का संचालन प्रारम्भ हुआ। संस्था केन्द्रीय अधिनियम और अन्य पूर्त आश्रम (पर्यवेक्षण और नियन्त्रण) अधिनियम, 1960 की धारा 16(1) छः के अन्तर्गत, अध्यक्ष, उ0प्र0 नियन्त्रण बोर्ड, महिला एवं बाल विकास विभाग, उ0प्र0 मोती महल, लखनऊ से मान्यता प्राप्त है तथा किशोर अधिनियम (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अनिधनियम 2000 (यथा संशोधित–2006) की धारा 34 (3) एवं तद् सम्बन्धी नियमावली–2007 के नियम–71(1) के अन्तर्गत पंजीकृत है तथा किशोर अधिनियम–2015 का पालन किया जाता है। मान्यता की क्षमता, वर्तमान में 75 बालिकाओं की है। इस समय 69– बच्चे संस्था में पंजीकृत हैं। पंजीकृत संवासिनियों को बालगृह में रहने–खाने की सुविधा के अतिरिक्त शिक्षा स्थानीय विद्यालय बालिका विद्यालय, महाराजा अग्रसेन विद्यालय, सोहनलाल बालिका विद्यालय, नवयुग कन्या विद्यालय, चिकित्सा के लिए स्थानीय चिकित्सालय यथा– हरभज कृपा ट्रस्ट बलरामपुर अस्पताल एवं महात्मा गॉधी चिकित्सालय द्वारा कराया जाता है। आवासित बच्चों का पुर्नवासन– नौकरी, विवाह एवं अभिभावक /माता–पिता/संरक्षक को हस्तगत कर कराया जाता है।

इन बच्चों के चहमुखी विकास के लिए बालगृह में पारिवारिक, नैतिक, अध्यात्मिक एवं संवेगात्मक वातावरण में रक्खा जाता है। बालगृह परिसर में बालिकाओं को व्यवसायिक प्रशिक्षण एवं संगीत–शिक्षा का भी प्राविधान सुनिश्चित किया गया है। शैक्षिक गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

संस्था द्वारा वर्ष 2023–24 में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का निम्नानिसार आयोजन आयोजन किया

दिनांक	कार्यक्रम	द्वारा	लाभार्थी
22.04.2023	वर्ल्ड अर्थडे	प्रकाश श्रीवास्तव	65 बालिकाएं
03.05.2023 से 05.06.2023 तक	ब्यूटी पार्लर कोर्स	आर्शीवाद ह्यूमोनिटी फाउण्डेशन,नजरबाग, हुसैनगंज, लखनऊ।	35 बालिकाऐं
11.07.2023 से तक	सिलाई कढ़ाई, ब्यूटी पार्लर शिक्षा कैम्प	रिड इंडिया इन्सापाइरिंग सरल सोसाइटी	35 बालिकाऐं
30.07.2023	हृयूमेन बैल्यू एण्ड कम्यूनिटी आउटरिच कार्यक्रम	प्रोग्राम लीडर बी0टेक एमिटी विश्वविद्यालय, उ0प्र0, लखनऊ	55 बालिकाऐं
25.09.2023	शैक्षणिक कार्यक्रम	नेशनल वेलेफेयर ट्रस्ट दुबग्गा, लखनऊ	55 बालिकाऐं

बालगृह के कर्मचारियों में कार्यक्रम समन्यवक, अधीक्षक, रसोइया, सफाई कर्मचारी, चौकीदार एवं गार्ड कार्यरत् हैं। संवासिनियों के संगीत कला–शिक्षा हेतु एक कुशल संगीत प्रशिक्षिका है। बच्चों की शैक्षिक कठिनाइयों को दूर करने हेतु पूर्णकालिक अध्यापिका की व्यवस्था की गयी है तथा अन्य स्वंयसेवी संस्थाओं के सहयोग से सप्ताहिक कक्षाओं का आयोजन किया जाता है। संवासियों को रोजगारोन्मुख विशेष प्रशिक्षण यथा–कम्प्यूटर प्रशिक्षण, सिलाई–कढ़ाई, चिकन कारी एवं विभिन्न हस्तशिल्प विधाओं का कोर्स पूर्ण कराया जा रहा है। संस्था, माँ नवशक्ति समिति द्वारा आयोजित एक वर्षीय कम्प्यूटर प्रशिक्षण पूर्ण किया गया जिसके अन्तर्गत 21 बालिकाओं को लाभान्वित किया गया।

संस्थागत रूप से अन्तःवासियों की स्थिति निम्नवत् रहीः–

1 अप्रैल, 2023–24 को प्रारम्भिक संवासिनी — 69 संवासिनी

1. कुल नये प्रवेश — 54 संवासिनी

2. पुर्नवासन

(क) दूसरी संस्था में स्थानान्तरित — 04 संवासिनी

(ख) माता / पिता / संरक्षक / अभिभावनक को सौपकर — 53 संवासिनी

(ग) विवाह के माध्यम से	कोई नही
(घ) नौकरी के माध्यम से	कोई नही
(ङ) मृत्यु	कोई नही

3. संस्था में आवासित संवासिनियों की संख्या — 69 संवासिनी

(विशेषः– जिला प्रोवेशन अधिकारी, लखनऊ के पत्रांक सी–5032/प्रोवे0/सी0डब्लू0सी0/संवासी स्थानान्तरण/2023–24 दिनांक 17.10.2024 के अनुपालन में संवासियों का स्थानान्तरण किया गया।

–: वृद्ध एवं निराश्रित महिला आश्रम :–

परिषद के प्रस्ताव दिनांक 16 सितम्बर, 2011 के अनुपालन में तत्त्कालीन संस्थाध्यक्ष स्व0 पद्मश्री रानी लीला रामकुमार भार्गव के कर कमलो द्वारा दिनांक 22 जून,2013 को कार्यक्रम का उद्‌धाटन किया गया। कायक्रम की अन्तःवासियों हेतु मान्यता अनाथालय और अन्यपूर्ति आश्रम (पर्यवेक्षण और नियन्त्रण) अधिनियम 1980 की धारा 15 (1) द्वारा प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए 25 महिलाओं हेतु प्राप्त की गयी है।

"वृद्ध एवं निराश्रित महिला आश्रम" में निम्न प्रकार से निराश्रित महिलाआं को लाभ पहुँचाया जायेगा, का निर्धारण–नियम व प्राविधान कार्यक्रम नियमावली में संरक्षित किये गयें हैः– "

–– जिसकी आयु 22 वर्ष से अधिक पूर्ण कर चुकी हों।

–– जिनकी शारीरिक एवं मानसिक स्थिति सामान्य हो।

–– जो कम से कम साक्षर हो।

–– जिन्हें संस्था के नियम व प्राविधानों में विश्वास हो।

उपलब्ध सुविधाऐंः–

आश्रम में निम्नलिखित सुविधाओं को प्रदान किया जाता हैः–

1. स्वच्छ एवं हवादार शयनकक्ष, स्वाध्याय एवं पूजा कक्ष, रसोई एवं सुलभ शौचालय, स्नानागार।
2 पोषाहार नियमित मीनू के अनुरूप ।
3 निर्धारित दैनिक–कार्यक्रम (शीत कालीन एवं ग्रीष्म कालीन) का क्रियान्वयन।

4. सामान्य स्वास्थ्य सेवाऐं। स्थानीय चिकित्सालयों से सम्बद्धता।

5. मनोरंजन हेतु टी0वी0 एवं पुस्तकालय की व्यवस्था।

6. संवेगात्मक, सुरक्षात्मक एवं परिवारिक वातावरण की उपलब्धता।

7. जीवन के अन्तिम अवस्था में समस्त वैदिक क्रियाकलापों का निर्वहन।

वृद्ध एवं निराश्रित महिलाओं के क्रिया कलापोः–

कार्यक्रम की परिकल्पना के अनुरूप दादी, नानी, चाचा, मौसी के रिश्ते आचार विचार के पोषण अतिरिक्त दैनिक क्रिया कलापों में निम्न बिन्दुओं को समाहित किया गया जिसके अच्छे परिणाम प्राप्त हो रहें हैः–

–– वृद्ध एवं निराश्रित महिलाओं को अपने अनुभवी जीवन के अतिरिक्त बच्चों को खेल–कूद आन्तरिक एवं वाह्मय क्रिया कलापों में सहयोग सुनिश्चित करना।

–– निर्धारित क्रिया कलापों में वांछित सहयोग प्रदान करना।

–– दैनिक नियत क्रिया कलापों में सहभागिता सुनिश्चित करना।

संस्थागत अन्तःवासियों की स्थिति वर्ष 2023–24

1 अप्रैल,2023 को आरम्भ्क अन्तवासी – 06 महिलाऐं

(1) वर्ष में प्रवेश– 03 महिलाऐ

(2) वर्ष में पुर्नवासन 01 महिलाऐं

(क) परिवार को सौपकर 01 महिलाऐ

(ख) विवाह कोई नही

(ग) मृत्यु कोई नही

(3) संस्था में अन्तःवासियों का संख्या

––––––––––––––

8 महिलाऐं

––––––––––––––

––––––––––––––––––

––––––––––––––

––––––––––

महिलाओं एवं बच्चों के लिए चिकित्सालय :–

परिषद द्वारा लखनऊ जनपद के मोतीनगर परिक्षेत्र में आर्थिक दृष्टि से कमजोर बच्चों एवं महिलाओं को निःशुल्क चिकित्सा के लिए एक होम्योपैथिक चिकित्सालय वर्ष 1987 में स्थापना की गयी है।

चिकित्सालय को निराश्रित बालगृह मोतीनगर, लखनऊ के परिसर में चल रहा है इस चिकित्सालय में होम्योपैथिक पद्धति से चिकित्सा होती है। यहां के डा0 टी0एस0 शुक्ला कुशल अनुभवी व निःस्वार्थ सेवा भावना से कार्य कर रहे है। महिलाओं व बच्चों का इलाज निःशुल्क, गणमान्य व्यक्तियों के यथोचित सहयोग से चलता है। सेवित रोगियों की संख्या–2185 मरीज है।

होम्योपैथिक चिकित्सालय में सेवित रोगियों का विवरण

माह	नये रोगी	पुराने रोगी	कुल रोगी
अप्रैल, 2023	25	104	129
मई, 2023	45	127	172
जून, 2023	38	153	191
जुलाई, 2023	52	146	198
अगस्त, 2023	48	115	163
सितम्बर, 2023	46	143	189
अक्टूबर, 2023	42	157	199
नवम्बर, 2023	40	127	167
दिसम्बर, 2023	42	132	174
जनवरी, 2024	38	157	195
फरवरी, 2024	26	123	149
मार्च, 2024	78	181	259
			2185 मरीज

निःशुल्क चिकित्सालय में अस्थमा, टांन्सलइटिस, माइग्रेन, स्त्रीरोग एवं बच्चों के पुराने रोगो के साथ, त्वचा सम्बन्धी रोग इत्यादि का भी सफलता पूर्वक इलाज किया जाता है।

बालगृह उत्सव–2023

परिषद के पूर्व अध्यक्ष पद्मश्री स्व0 रानी लीला रामकुमार भार्गव की 101 वे जन्म दिन की स्मृति में "लीलावती मुन्शी निराश्रित बालगृह, का वार्षिक उत्सव–2023, अन्तःवासियों का सम्मान एवं हाल का उद्धघाटन" का कार्यक्रम निर्धारित प्रारूप के अनुसार नियत समय से प्रारम्भ किया। उद्धघोषिका महोदया ने कार्यक्रम का संचालन संक्षिप्त परिचय के साथ किया। माननीय श्री सतीश महाना, अध्यक्ष विधान सभा उ0प्र0 महोदय के आगमन पर श्रीमती रीता सिंह एवंडा0 एस0एस0 डंग ने स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि श्री दयाशंकर, मन्त्री परिवहन, उ0प्र0 सरकार के आगमन सह्दयता पूर्वक स्वागत किया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ सरस्वती वन्दना श्रीमती पद्मा गिडवानी एवं मुख्य अतिथि महोदया द्वारा दीप प्रज्वलन एवं रानी साहिबा के प्रति पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि व्यक्त की गयी। रानी साहिबा के सस्मरणों को पुनः याद किया गया। मंच व्यवस्था के अनुरूप माननीय अतिथियों को स्थान प्रदान कर नियत सदस्यों द्वारा माननीय अतिथि महोदय को पुष्पगुच्छ भेट कर सम्मानित किया गया।

परिषद की महासचिव एवं कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती रीता सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्था की संक्षिप्त प्रगति आख्या,23 की प्रस्तुति करते हुए अवगत कराया कि आज क पावन अवसर पर परिषद की पूर्व अध्यक्ष स्व0 रानी लीला रामकुमार भार्गव के 101 वें जन्मदिन एवं नवी पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित लीलावती मुन्शी निराश्रित बालगृह वार्षिक उत्सव–2023 में आप सभी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करती हूॅ। प्रमुख रूप से मंचासीन मुख्य अतिथि माननीय श्री सतीश महाना, विधान सभा अध्यक्ष, उ0प्र0 सभी आमन्त्रित गणमान्य सदस्य एवं पदाधिकारीगण, सहयोगी एवं प्रिय बच्चे।

आज के कार्यक्रम को मनानेके पीछे रानीसाहिबा का अनुकर्णीय आर्शीवाद है जिसके बलबूते संस्था के उत्तरोत्तर प्रगति करने में अपनी महती भूमिका का निर्वहन कर रही है। जिसके फलस्वरूप बालगृह परिसर में संचालित कार्यक्रम नित, नये उपयोगी कार्यक्रमों के माध्यम से किशोर बालिकाओं स्वरोजगारनुमुख बनाने में सहयोग कर रही है।

संस्था का ध्येय मंत्रः–

" दुखी जनो से सहानुभूति, निर्बल को बल तथा जरूरत मन्दो की सहायता"

बालगृह परिसर में आवासित बच्चों के सम्पूर्ण विकास के लिए समस्त आवश्यक संसाधन यथाः– परिवारिक, नैतिक,शैक्षणिक, अध्यात्मिक, चिकित्सीय एवं पूर्ण सुरक्षित वातावरण की उपलब्धता करायी जाती है। इसकी सम्पूर्ति हेतु स्वयं सेवी संगठनों के सहयोग से नित नवीन

कार्यक्रमों को विकसित कर व्यक्तिगत व्यक्तित्व का विकास कराया जाता है। गत वर्ष निम्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गयाः–

ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण	36 बालिकाए
टेरा कोटा प्रशिक्षण	42 बालिकाए

संस्था परिसर की सुरक्षा हेतु सी0सी0टी0वी0 कैमरों का प्रबन्ध किया गया है।

प्रगति आख्या वर्ष– 2022–23

(अप्रैल, 2022 से 31 मार्च, 2023 तक)

1. लीलावती मुन्शी निराश्रित बालगृहः–

आरम्भिक आवासित बच्वेंः–		59 बालिकाएं
(क) वर्ष में नये ––	117 बालिकाऐं	
(ख) माता पिता को सौपकर पुनर्वासित–	107 बालिकाए	10 बालिकाए
(ग) वर्तमान में आवासित –––		69 बालिकाए

2. एडाप्सन सेन्टरः–

आरम्भिक आवासित बच्चे–		22
(क) वर्ष में नये प्रवेश	7	
परिवार में वापसी	1	
(घ) गोद देकर पुनर्वासित (भारतीय एडाप्सन–3 विदेशी 2)	5	
मृत्यु	1	
(ग) वर्तमान में आवासित		22 बच्चे

3. वृद्ध एवं निराश्रिब महिलाश्रमः–

आरम्भिक आवासित		महिलाए– 7
(क) वर्ष में प्रवेश	––03 महिलाए	
(ख) पुर्नवासित	––04 महिलाए	–1
		–6 महिलाए

शैक्षणिक सत्र–2022–23 में अन्तःवासी बालिकाओं ने गत वर्षो की भांति उत्कृट प्रदर्शन किया है। जिनमे से चयनित–17 बालिकाओं को माननीय मुख्य अतिथि के कर कमलों द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानित किया जायेगा।

आज संस्था के कार्यक्रमों की आख्या प्रस्तुति करते हुए गौरव की अनुभूति हो रही है कि पदाधिकारियों, सहयोगियों एवं दान दाताओं के अपेक्षित सहयोग के परिणाम स्वरूप वास्तविक लाभार्थियों को आशानुरूप लाभ पहुँचाने का सार्थक प्रयास किया जा रहा है। हम संस्था की ओर से सभी दान दाताओं एवं आमन्त्रित महानुभावों का सह्दयपूर्वक सहयोग के लिए कृतज्ञता व्यक्त करती हूँ।

परिषद के सभापति, डा0 एस0एस0 डंग महोदय ने रानी साहिबा के व्यक्तित्व एवं कृतत्व पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम रूपरेखा एवं विषय वस्तु से सभी को परिचित कराया। माननीय दयाशंकर सिंह ने रानी साहिबा को श्रद्धांन्जलि प्रस्तुत करते हुए जीवन पर संक्षिप्त प्रकाश डाला।

कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती सुधा मिश्रा ने संस्था नेशनल काउन्सिल आफ वोमेन इन इण्डिया, यू0पी प्रदेश में विगत 77 वर्षो से महिलाओं एवं बच्चों के उत्थान हेतु निःशुल्क सेवाऐं निःस्वार्थ भाव से प्रदान कर उज्जवल एवं स्वास्थ्य भविष्य के निर्माण का विस्तार सार्थक प्रयास कर रही है। संस्था अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अन्तर्राष्ट्रीय काउन्सिल आफ वोमेन इन इण्डिया प्रथम श्रेणी स्तर की संस्था है। संस्था द्वारा गत वर्ष के निम्न प्रमुख कार्यक्रम सम्पादित कराये गयेंः–

1.	आंख आपरेशन कैम्प	1880 मरीज
2.	शिल्प कौशल प्रशिक्षण(सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम) सण्डीला एवं भरावन	170 बालिकाए
3.	निर्धन बालिका विवाह सहयोग	11 बालिका
4	कोविड सहयोग (माक्स,सेनेटाइजर)	2000 परिवार
5	आजादी का अमृत महोत्सव	69 बालिकाए
6.	तीज महोत्सव	
7.	होलिकोत्सव	

संस्था अपने कार्यक्रमों के सहयोग से निःशक्तजनों की सेवा का संकल्प पूर्ण करने हेतु नित नये आयाम तय कर रही है।

एन0सी0डब्लू0 आई0 यू0पी0 की सदस्या श्रीमती कमल गुप्ता जी ने विशिष्ट अतिथि माननीय श्री दयाशंकर मंत्री, परिवहन के जीवन पर संक्षिप्त प्रकाश डालते हुए कृत कार्यो की सराहना करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की।

बालगृह की संवासिनी क्रमशः अनुराधा, शीतल, रिया, रिया (द्वितीय) सरिता, दिव्या, संजना, आंचल एवं आशू द्वारा एकल, युगल, एवं सयुक्त नृत्य एवं गायन की प्रस्तुतिकरण किया गयाः–

गायन (क) ज्योति से ज्योति जलाते चलो।

(ख) पायो जी मैने राम रतन धन पायो।

नृत्य (ग) एकल– नैनो वालो ने छेड़ा मन का प्याला।

(ध) युगल– पिगा डिपोरी

(ड.)सयुक्त– तोगाड़ा तारा

बच्चों की मनोहारी प्रस्तुतियों की सभी ने भूरि–भूरी सराहना की।

माननीय मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि महोदया तथा श्रीमती अमिता जैन ने अपनी माँ की स्मृति में बालगृह के बच्चों को, (शैक्षणिक सत्र 2022–23 में उत्कृष्ट प्रर्दशन के आधार पर) उपहार प्रदान कर पुरस्कृत किया तथा ग्रुप फोटो संशन किया।

क्र.सं0	संवासिनी का नाम	कक्षा	प्रतिशत
1.	कु0 आंचल	कक्षा– 6	70 प्रतिशत
2.	कु0 सिया	कक्षा– 6	59 प्रतिशत
3.	कु0 सरिता	कक्षा– 7	80 प्रतिशत
4.	कु0 अनुराधा	कक्षा– 7	80 प्रतिशत
5.	कु0 रिया शर्मा	कक्षा– 7	79 प्रतिशत
6.	कु0 अंशू वर्मा	कक्षा– 7	76 प्रतिशत
7.	कु0 शालिनी	कक्षा– 7	74 प्रतिशत
8.	कु0 संजना	कक्षा– 7	75 प्रतिशत
9.	कु0 दिव्या	कक्षा– 8	80 प्रतिशत
10.	कु0 मंतशा	कक्षा– 8	78 प्रतिशत
11.	कु0 मुस्कान मौर्या	कक्षा– 8	77 प्रतिशत
12.	कु0 शीतल	कक्षा– 9	60 प्रतिशत
13.	कु0 सिमरन	कक्षा– 9	59 प्रतिशत
14.	कु0 खुशबू	कक्षा– 9	58 प्रतिशत
15.	कु0 कल्पना रावत	कक्षा– 10	74.83 प्रतिशत
16.	कु0 लक्ष्मी	कक्षा– 10	69.33 प्रतिशत
17.	कु0 मिनाक्षी	कक्षा– 11	60 प्रतिशत

डा0 एस0एस0 डंग, सभापति महोदय ने मुख्य अतिथि महोदय का संक्षिप्त परिचय, संस्मरण देते हुए उनके वर्तमान स्थिति से अवगत कराते हुए सम्मानित कर स्मृति चिन्ह प्रदान किया तथा

श्रीमती रीता सिंह कार्यक्रम संचालिका महोदय ने विशिष्ट अतिथि महोदय का संक्षिप्त परिचय देते हुए सम्मान में स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

माननीय श्री दयाशंकर, मन्त्री परिवहन, उ0प्र0 ने बच्चों को अपना आर्शीवचन देते हुए रानी साहिबा के जीवन चक्र पर संक्षिप्त प्रकाश डालते हुए आश्वासन दिया कि संस्था परिसर में बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु एक हाल का निर्माण की व्यवस्था, सरकार की मदद से कराने का हर सम्भव प्रयास करेगे। बच्चों की जो भी सहायता होगी करेगे, जिससे इनके आगे बढ़ने में कोई भी बाधा न रह।

माननीय श्री सतीश महाना, विधान सभा अध्यक्ष, उ0प्र0 मुख्य अतिथि महोदय के आर्शीवचन में बच्चों से अपेक्षा की कि संस्था के सुलभ वातावरण में रह रही बच्चियाँ यहां की महिलाओं को अपनी माँ और मौसी की तरह माने। साथ ही अपने से छोटी बच्चियों को बहन की तरह प्यार–दुलार करें। इससे बच्चों को माँ का प्यार व महिलाओं को अपनी औलाद की कमी नही खलेगी। बच्चों में संस्कार और माताओं को जीवन जीने का सहारा मिल जाएगा। आप लोग खूब मेहनत से पढ़ाई करो। कड़ी मेहनत से किये गये कार्य में सफलता जरूर मिलती है और जब आप सफल हो जाओ तो जरूरत मन्दों की मदद के लिए हमेशा तत्पर रहना। निराश्रित लोगो के लिए काम कर रही संस्थाओं की मदद करें। बालगृह के बच्चों को विधान सभा देखने हेतु आमंत्रित किया।

श्रीमती ज्योति कौल के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं बच्चों की सराहना करते हुए सभी के वांछित सहयोग प्रदान करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। राष्ट्रीय गान के साथ ही कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गयी।

उद्घधोषिका महोदया ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आग्रह किया कि सभी लोग सूक्ष्म जलपान गृहण करने का कष्ट करें।

स्थानीय समाचार पत्रों में निम्न कालमों के अन्तर्गत कार्यक्रम की सराहना की गयीः–

1.	राष्ट्रीय सहारा (अपना शहर)	(7) विस अध्यक्ष ने 17 मेधावियों को किया पुरस्कृत।
2.	दैनिक जागरण	(iv) "सफलता पाने के बाद निराश्रितों की की मदद जरूर करें।
3.	हिन्दुस्तान टाइम्स	(6) Annual Day event at Leelawati Munshi Orphanage .

———————————

——————————

——————

–:छात्रवृत्ति योजनाः–

भारतीय बाल कल्याण परिषद, नई दिल्ली के आर्थिक सहयोग से गतवर्ष की भॉति इस वर्ष भी छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत निम्न श्रेणी के लाभार्थियों को लाभान्वित किया गयाः–

राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार	**0** बच्चे
अन्य सामान्य	**21** बच्चे
कुल	**21** बच्चे

सर्वाइकल कैंसर प्रशिक्षण कैम्प

परिषद एवं भारतीय बाल कल्याण परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 04.सितम्बर,2023 से 14 सितम्बर, 2023 के मध्य भरावन सण्डीला जनपद हरदोई के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो पर चिकित्सीय परीक्षण शिवरों का आयोजन किया गया। परीक्षण शिविर के आयोजन में डा0 एस0पी0 जैसवार, अध्यक्ष क्वीन मेरी स्त्री एवं प्रसूति विभाग, के.जी.एम.यू लखनऊ, अमरीका के 11 सदस्यीय चिकित्सीय दल, एरा मेडिकल कालेज, लखनऊ तथा आइ एम ए महिन्त विग ने वांछित सहयोग प्रदान किया गया। परीक्षण हेतु 1752 मरीजो का परीक्षण किया गया जिसमे से 321 को चिकित्सीय परामर्श दिया गया। 10 सन्देहात्मक मरीज तथा 01 एच आई वी मरीज के इलाज हेतु अस्पतालो मे भेजा गया।

कार्यक्रम की सफलता हेतु डा0 रोहतास कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, हरदोई, डा0 सुरेन्द्र कुमार उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, हरदोई, डा0 बी0के0 सिंह, प्रशासनिक अधिकारी, डा0 अरविन्द मिश्रा अधिक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, भरावन एवं टीम के कुशल नेतृत्व में परीक्षण शिविर का सम्पादन पूर्ण किया गया।

अन्धता निवारण कैम्प वर्ष– 2022–23

परिषद एवं एन0सी0डब्लू0आई0 यू0पी0 महिला विकास केन्द्र के सहयोग से "राष्टीय अन्धता निवारण मिशन" के अन्तर्गत जनपद, लखनऊ, उन्नाव, हरदोई एवं सीतापुर के 2015 लाभार्थियों में से 1880 मरीजों का मोतियाबिन्द आपरेशन करवा कर निःशुल्क चश्मा एवं दवाओं का वितरण किया गया। उक्त कार्यक्रम दिनांक 30.03.2023 तक किया गया।

दिनांक	आपरेशन मरीजों की संख्या
27.09.2023	60 मरीज
23.10.2023	99 मरीज
20.11.2023	199 मरीज
03.12.2023	45 मरीज
17.12.2023	269 मरीज
07.01.2024	86 मरीज
19.01.2024	158 मरीज
05.02.2024	282 मरीज
20.02.2024	120 मरीज
	योग 1,318 मरीज

विशेष उपरोक्त के अतिरिक्त कानिर्या, नासूर एवं पलक बन्दी के 65 मरीजो का इलाज निःशुल्क किया गया।

परिषद के विभिन्न कार्यक्रमों के सफल संचालन में महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 का वृद्धहस्त रहा है एवं उनके मार्ग दर्शन के कारण सभी परियोजनाओं के संचालन के मार्ग में हार्दिक आभार प्रकट करते हुए आशान्वित हूॅ कि भविष्य में भी उनकी छत्र छाया तथा नेतृत्व परिषद क प्रगति पथ पर चलाने में सहायक होती रहेगी। मैं, परिषद के समस्त पदाधिकारियों, सदस्यों के प्रति भी हार्दिक आभार प्रकट करती हूॅ। जिन्होने कार्यक्रम के संचालन में अपेक्षित सहयोग प्रदान करके अनुकर्णीय कार्य किया।

प्रमुख सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग, उ0प0, राज्य सरकार तथा भारत सरकार के उन सभी विभागों को आभार प्रकट करती हूॅ जिनके सहयोग तथा मार्ग दर्शन एवं नियमित रूप से अनुदान प्रदान कर संचालित कार्यक्रमों में अपना सहयोग प्रदान किया। जिसके फलस्वरूप सफलता पूर्वक कार्यक्रम संचालित किये जाते रहे हैं।

मैं, परिषद से सम्बद्ध उन सभी सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थाओं से आशा करती हूॅ कि समय समय पर परिषद को बाल कल्याण के क्षेत्र में कार्य करने हेतु अपने बहुमूल्य विचार तथा मार्ग दर्शन से लाभान्वित करते रहेंगें।

रीता सिंह
महासचिव

क्रेश कार्यक्रम 2023–24

नेत्र चिकित्सा शिविर

कम्बल वितरण कार्यक्रम

नेत्र चिकित्सा शिविर कार्यक्रम

Hindustan Times | UTTAR PRADESH

06

LUCKNOW
THURSDAY
MAY 25, 2023

ANNUAL DAY EVENT AT LEELAWATI MUNSHI ORPHANAGE

Vidhan Sabha Speaker Satish Mahana and transport minister Daya Shankar Singh with girl inmates HT PHOTO

LUCKNOW: The Leelawati Munshi Nirashrit Balgrah children celebrated its Annual Day here on Wednesday. The programme was organised by the National Council of Women in India and the Uttar Pradesh Council for Child Welfare.

The event also marked the 101st birth anniversary of late Padma Shri Rani Lila Ram Kumar Bhargava, former president of the NCWI. The chief guests were Speaker of legislative assembly Satish Mahana and transport minister Daya Shankar Singh.

Current president of NCWI Rita Singh , in her opening address, spoke about the girls housed in the orphanage, informing the audience that 117 children had been adopted by families since 2022 from the orphanage and adoption centre. She also spoke about the activities and vocational training provided to the girls staying at the shelter.

The children put together a cultural program for the chief guests and the audience, all the preparation for which were done by the girls themselves - be it the makeup, costume, or choreography. They performed on popular Hindi songs.

The event also included a felicitation ceremony for the 17 girls at the orphanage who scored above 60% in their school examinations from classes 6 to 11. HTC

IV दैनिक जागरण लखनऊ, 25 मई, 2023

'सफलता पाने के बाद निराश्रितों की मदद जरूर करें'

जासं, लखनऊ : विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि बालगृह में रह रहीं बच्चियां यहां की महिलाओं को अपनी मां व मौसी की तरह मानें। अपने से छोटी बच्चियों को बहन की तरह प्यार-दुलार करें। इससे बच्चों को मां का प्यार व महिलाओं को अपनी औलाद की कमी नहीं खलेगी। बच्चों में संस्कार और माताओं को जीवन जीने का सहारा मिल जाएगा। आप लोग खूब मेहनत से पढ़ाई करो। कड़ी मेहनत से किए गए कार्य में सफलता जरूर मिलती है और जब आप सफल हो जाओ तो जरूरतमंदों की मदद के लिए हमेशा तत्पर रहना। निराश्रित लोगों के लिए काम रहीं संस्थाओं की भी मदद करें। सतीश महाना बुधवार को मोतीनगर के लीलावती मुंशी निराश्रित बालगृह के वार्षिकोत्सव बोल रहे थे।

उत्तर प्रदेश बाल कल्याण परिषद की ओर से लीलावती मुंशी निराश्रित बालगृह के वार्षिक उत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना • जागरण

कार्यक्रम में परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि निराश्रित बच्चियों की जो भी सहायता होगी करेंगे, जिससे इनके आगे बढ़ने में बाधा न रहे। बालगृह में वर्तमान में करीब 70 लड़कियां व 10 महिलाएं रह रही हैं। यहां विभिन्न आयु वर्ग की लड़कियों को निश्शुल्क मेकअप ट्रेनिंग दी जा रही है। लड़कियों को प्रशिक्षण के साथ ही काम भी दिया जाता है, जिससे उनकी कुछ आमदनी भी हो सके। बालगृह की अधीक्षिका माया हंसा ने बताया कि समय-समय पर बालगृह की लड़कियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाते हैं। कंप्यूटर ट्रेनिंग भी दी जा चुकी है। वार्षिक उत्सव में लोक गायिका पद्मा गिडवानी के सरस्वती इस दौरान बालगृह की महासचिव रीता सिंह, गोपाल तिवारी व अन्य मौजूद रहे।

लखनऊ। बृहस्पतिवार • 25 मई • 2023
राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com

विस अध्यक्ष ने 17 मेधावियों को किया पुरस्कृत

लीलावती मुंशी निराश्रित बालगृह में वार्षिकोत्सव

लखनऊ (एसएनबी)। स्र्व पदमश्री रानी लीला राम कुमार भार्गव के 101 वें जन्म दिवस के पावन स्मृति में लीलावती मुंशी निराश्रित बालगृह का वार्षिक उत्सव बुधवार को धूमधाम के साथ मोतीनगर में मनाया गया। इस मौके पर महासचिव ने रीता सिंह नेबालगृह परिसर में संचालित सभी कार्यक्रमों की संक्षिप्त प्रगति आख्या प्रस्तुत किया तथा डा एसए डंग ने विषय वस्तु का परिचय देते हुए पद्मश्री स्व. रानी साहिबा के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने किया। कार्यक्रम के शुभारम्भ के उपरांत प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि स्व. रानी लीला राम कुमार भार्गव का व्यक्तित्स व कृतित्व की जितनी भी सराहना की जाए वह कम ही होगी। उनमे समाज सेवा की भावना कूद कूट कर भरी थी वह हमेशा गरीबों मजलूमो की सेवा के प्रति समर्पित रहती थी। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद प्रदेश के परिवहनमंत्री दयाशंकर ने भी विस्तार से प्रकाश डालते हुए मोतीनगर स्थित लीलावती मुंशी निराश्रित बालगृह के संचालन किये जाने व गरीब बच्चों की सेवा के प्रति लगाव बताया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि व विशष्ट अतिथियों को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना पदमा गिडवानी व बालगृह के बच्चों ने सांस्कृति कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में एकल संयुक्त एवं युगल कार्यक्रम के तहत पायो जी मैंने राम रतन धन पायो, ज्योति से ज्योति जलाते चलो प्रस्तुत किये। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने 17 अन्तःवासियों को परीक्षा सत्र 2023 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया।